089 सूरह फजर. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब.
मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» कौमों की तबाही उन्के आमल से होती हे.

शुरुवात मे चार गवाहियां पेश की गयी हे और बताया गया हे की कौमों की तबाही उन्के बुरे आमाल का नतीजा होती हे, और आखिरत की सझा दुनिया के बुरे आमाल का नतीजा होगी.

फझर के वक्त की कसम और दस रातों की कसम और जुफ्त(बेकी) और ताक(एकी) की कसम और रात की जब वोह जाने लागे. इन तमाम कस्मों मे अकलमांदो के लिये नसीहत हे के अल्लाह के दुश्मन सझा पाते हे. (ए नबी!) क्या तुमने नही देखा के हमने आद यानी इरम कौम के साथ कैसा सुलुक किया? जो बडे महलों वाले और मझबूत कद काठी वाले थे. और समूद कौम और फिरओनियों पर अल्लाह के आझाब की तबाहियां देखो. यकीन रखो अल्लाह तआला नाफरमानो की घात (ताक) मे हे. नाशुकरे इन्सान का हाल ये हे जब उसे नेमतें मिलती हे तो फखर करता हे और अझमाइश मे मुबतला करता हे तो शिकायतें करता हे बल्की तुम्हारा अपना ये हाल हे के तुम यतीम की इझ्झत नही करते और मिसकीन की खिदमत करने को तैयार नही हो और तुम मीरास(वारसे) का सारा माल हझम कर जाते हो. और तुम दुनिया के माल और दौलत से

बोहत मोहब्बत करते हो. बतावो उस दिन तुम्हारा क्या हाल होगा जब झमीन को तोडकर रेझा रेझा(टुकडे टुकडे) कर दिया जायेगा. और जब अल्लाह का जलाल (गुस्सा, नाराझगी) झाहिर होगी, उस वकत नसीहत को याद करोगे, मगर उस वकत कोई फाईदा नही होगा. वो(इन्सान) कहेंगे के काश! मेने दुनिया मे अपनी आखिरत की झिन्दगी के लिये कोई नेक अमल आगे भेज दिया होता. फिर उस दिन अल्लाह तआला ऐसी सझा देगा की उस्के जैसी सझा कोई नही दे सकता. आखिरत की सझा से वोही बचेगा जीस्को मौत के वकत कहा जायेगा तू अपने रब की तरफ लौटकर आजा, तू उस्से राझी हे और वोह तुजसे राझी और तू मेरे खास बन्दो मे शामिल हो जा और मेरी जन्नत मे दाखिल हो जा.